प्रेस विज्ञप्ति

आईआईटी मंडी के शानदार 12 वें स्थापना दिवस समारोह में हिमाचल प्रदेश के माननीय मुख्य मंत्री श्री जय राम ठाकुर थे मुख्य अतिथि

मंडी, 24 फरवरी 2021 : भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मंडी ने 12 वां स्थापना दिवस समारोह मनाया। इस अवसर पर हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री जयराम ठाकुर बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित थे। लोकसभा सांसद श्री रामस्वरूप शर्मा और हिमाचल प्रदेश विधानसभा सदस्य श्री जवाहर ठाकुर की मौजूदगी ने अवसर की गरिमा बढ़ाई।

इस शानदार समारोह में संस्थान को संबोधित करते हुए हिमाचल प्रदेश के माननीय मुख्य मंत्री और आईआईटी मंडी के 12 वें स्थापना दिवस समारोह के मुख्य अतिथि श्री जय राम ठाकुर ने कहा, ''मैं आईआईटी मंडी के 12वें स्थापना दिवस समारोह का हिस्सा बन कर सम्मानित महसूस करता हूं। मुझे खुशी है कि मेरे राज्य में ऐसा आयोजन हुआ है जिसमें देश की सबसे सर्वश्रेष्ठ प्रतितभाओं के रूप में आईआईटी मंडी के शिक्षक और विद्यार्थी उपस्थित हैं। संस्थान ने शोध, परस्पर सहयोग और अंतर्राष्ट्रीय संबंध में पिछले 12 वर्षों में अपनी बड़ी पहचान बनाई है।''

''पिछले 3 वर्षों में राज्य सरकार ने जनहित में कई कल्याण एवं विकास योजनाएं शुरू की है। मुझे विश्वास है कि आईआईटी मंडी अपने नए स्वाभिमान, अतिरिक्त आत्मविश्वास और प्रतिबद्धता, ठोस निर्णय, उत्साह और कार्य केंद्रित होकर उत्कृष्टता की नई ऊंचाइयों को छूकर आत्मनिर्भर भारत बनाने में प्रौद्योगिकी विकास का योगदान देगा,'' **मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में कहा।**

विशिष्ट अतिथि श्री रामस्वरूप शर्मा ने संस्थान की प्रगति और स्थानीय समुदाय में इसके योगदान की प्रशंसा की। ''हिमाचल प्रदेश सरकार हमेशा शिक्षा, स्वास्थ्य सड़क, बिजली, पानी, सामाजिक सुरक्षा और जनजातीय कल्याण पर जोर देती है और सामाजिक आर्थिक लक्ष्यों को पूरा करने को प्रतिबद्ध है। मैं समाज के लाभ के लिए विभिन्न योजनाओं को चालू करने और सफल बनाने में आईआईटी मंडी के अहम् योगदान के लिए संस्थान को बधाई देता हूं। सतत विकासरत और आर्थिक रूप से स्वतंत्र समाज और आत्मनिर्भर हिमाचल प्रदेश बनाने में आपके योगदान का मैं आभारी हूं'' आदरनीय विशिष्ट अतिथि ने कहा।
समारोह में संस्थान के शिक्षकों और अन्य कार्मिकों ने भागीदारी की। इस दौरान संस्थान की आर्काइव्स टीम ने तस्वीरों का स्लाइडशो पेश किया जो 2009 में स्थापना से लेकर संस्थान के निरंतर विकास के बारे में हैं।''

इस अवसर पर बोलते हुए आईआईटी मंडी के निदेशक प्रो. अजीत के. चतुर्वेदी ने कहा, ''आईआईटी मंडी अब एक अग्रगण्य प्रौद्योगिकी शिक्षा संस्थान एवं शोध केंद्र बन गया है। राज्य सरकार की मदद से आईआईटी मंडी कैटलिस्ट ने हिमाचल प्रदेश और इसके बाहर भी इनोवेशन और उद्यमिता का उत्साहवर्धक इकोसिस्टम बनाया है। नया टेक्नोलॉजी इनोवेशन हब 110 करोड़ रु. की डीएसटी की मदद से बना है जो टेक्निकल इंटरफेस के विकास के विभिन्न पहलुओं पर केंद्रित है।''

आईआईटी मंडी ने महामारी के दौर में भी विद्यार्थियों की पढ़ाई में कोई रुकावट नहीं हो इसके तमाम उपाय किए। उनकी पढ़ाई जारी रहे इसके लिए संस्थान ने सभी उपकरणों के साथ 15 डेडिकेटेड क्लासरूम की व्यवस्था और स्थापना की।

इसके परिणामस्वरूप आईआईटी मंडी ने शिक्षा सत्र 2020–21 में 108 ऑफर के साथ एक बार फिर शानदार प्लेसमेंट दर्ज किया। माइक्रोसॉफ्ट, आमेजन, कोडनेशन, डीईशॉ, एडोब, हाइपरवर्ज, जगुआर लैंडरोवर इंडिया, सी–डैक, रेजरपे, पर्सेप्टिव एनालिटिक और एल एण्ड टी जैसे बड़े नाम इस साल आईआईटी मंडी के टॉप रिक्रूटर रहे हैं।

इसके अतिरिक्त इस महामारी वर्ष में आईआईटी मंडी ने विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इनोवेशन, शिक्षा जगत, उद्यमिता, शोध एवं विकास और अंतर्राष्ट्रीय संपर्क में तेजी से प्रगति की है। संस्थान के शिक्षक वर्तमान में 17.5 करोड़ से अधिक के 37 स्पांसर्ड रिसर्च प्रोजेक्ट और 300 से अधिक शोाध एवं विकास के प्रोजेक्ट में कार्यरत हैं। संस्थान ने परस्पर सहयोग से शोध और ज्ञान के आदान–प्रदान के लिए कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय शैक्षिक सहयोग करारों पर हस्ताक्षर किए हैं।

- **उद्यमिता के इकोसिस्टम को बढावा**

आईआईटी मंडी ने इंटरडिसिप्लिनरी साइबर–फिजिकल सिस्टम (एनएम–आईसीपीएस) के राष्ट्रीय मिशन के तहत मानव–कम्प्युटर परस्पर संबंध के क्षेत्र में 110 करोड़ रु. की डीएसटी की मदद से टेक्नोलॉजी इनोवेशन हब बनाया है। टेक्नोलॉजी इंटरफेस और कौशलपूर्ण मानव संसाधन के विकास के साथ–साथ टीआईएच स्टार्ट–अप इकोसिस्टम भी बनाएगा। इसमें आईआईटी मंडी के टेक्नोलॉजी बिजनेस इनक्युबेटर कैटलिस्ट की मदद ली जाएगी। इसमें ज्ञान के विकास – प्रौद्योगिकी विकास – प्रौद्योगिकी ट्रांस्लेशन – प्रौद्योगिकी के व्यावसायीकरण के दृष्टिकोण से कार्य किए जाएंगे। राज्य सरकार ने हाल में हिमाचल प्रदेश के स्टार्ट–अप के लिए हिम स्टार्ट–अप योजना के तहत आईआईटी मंडी कैटलिस्ट के माध्यम से 10 करोड़ रु. की सीड फंडिंग की घोषणा की है।

- **<u>आईआईटी मंडी का हिमाचल प्रदेश से करार</u>**

पिछले एक दशक में आईआईटी मंडी ने मंडी जिला और हिमाचल प्रदेश प्रशासन से जुड़ कर ज्ञान के आदान–प्रदान के लिए संस्थानिक प्रक्रिया का विकास किया है।

- **आईआईटी मंडी ने मंडी जिले में भूस्खलन की निगरानी के लिए जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण मंडी से सहयोग करार किया –** आज 24 फरवरी 2021 को आईआईटी मंडी ने जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण मंडी से सहयोग करार किया है जिसके तहत मंडी जिले में हिमाचल प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की मदद से लैंडस्लाइड अर्ली वार्निंग सिस्टम लगाए जाएंगे। नए सिस्टम लगने से भूस्खलन की निगरानी करने, एलर्ट, चेतावनी जारी करने वाले लोगों को संभावित भूस्खलन से सतर्क रखने के जिला के प्रयासों में मजबूती आएगी। मंडी जिले में ऐसे 20 सिस्टम लगाने की योजना है। इस तरह यह भारत में इस तकनीक का सबसे बड़ा व्यावहारिक प्रयोग होगा। एलईडब्ल्यूएस को 2018 में कोटरोपी में आरंभिक सफलता मिलने के बाद मंडी जिला प्रशासन के सहयोग से भूस्खलन निगरानी के लिए स्थानीय और राष्ट्रीय स्तर पर इसे सम्मान के

साथ पुरस्कार मिले हैं। आईआईटी मंडी में विकसित एलईडब्लूएस को हाल में गोल्ड कैटेगरी में प्रतिष्ठित एसकेओएच अवार्ड मिला। यह तकनीक व्यावसायिक रूप में आईआईटी मंडी के पहले शिक्षक नेतृत्व वाले स्टार्ट–अप इंटॉट सर्विसेस प्राइवेट लिमिटेड ूण्पपवजेण्पदद्ध के माध्यम से उपलब्ध है।

- **हिमाचल प्रदेश पुलिस से सहायोग करार** – आईआईटी मंडी ने हाल में हिमाचल प्रदेश पुलिस से सहयोग करार किया है जिसके तहत परस्पर लाभदायक शोध एवं विश्लेषण प्रोग्राम होंगे। इसके तहत संस्थान पुलिस कर्मियों को नई प्रौद्योगिकी, शोध एवं विश्लेषण का ज्ञान; अपराध एवं कानून व्यवस्था के भौगोलिक एवं सामयिक विश्लेषण की जानकारी; साइबर अपराध एवं साइबर सुरक्षा; यातायात प्रबंधन, खतरा एवं सुरक्षा विश्लेषण; लोगों के उपयोग में आसान मोबाइल एप्लीकेशन; मटीरियल विज्ञान एवं नेटवर्क विश्लेषण का ज्ञान देगा।

➢ **महामारी के दौर में सहयोग और इनोवेषन**

आईआईटी मंडी ने महामारी के अनिश्चित दौर में समुदाय की मदद के लिए शोध एवं इनोवेशन के मोर्चे पर बेहतरीन काम किया है। हिमाचल प्रदेश क्षेत्र में कोविड–19 को काबू करने में संस्थान की अहम् भूमिका रही है।

- **श्री लाल बहादुर शास्त्री सरकारी चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल से अहम करार** – आईआईटी मंडी ने श्री लाल बहादुर शास्त्री सरकारी चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल से अहम करार पर हस्ताक्षर किए हैं और क्षेत्र के कोरोना मरीजों की जांच के लिए रीयल टाइम पॉलीमरेज चेन रिएक्शन लैबोरेटरी बनाने में मदद की है। लैबोरेटरी की मदद से स्वास्थ्य प्राधिकरण जांच की गति तेज करने में सफल रहे हैं। वे कोरोना के 7,8145 मामलों की जांच का विश्लेषण कर चुके हैं।

इसके अतिरिक्त आईआईटी मंडी के शोधकर्ताओं और इनोवेटरों के अथक प्रयास से महामारी के दौर में कई अहम् शोध और इनोवेशन हुए हैं जिनमें उल्लेखनीय हैं 'बेकार 'पीईटी बोतल' से अधिक कारगर फेस मास्क का निर्माण, होम क्वारंटीन मैनेजमेंट एप्लीकेशन, सैन्य कर्मियों के लिए वेबसाइट बनाना और कोविड को फैलने से रोकने में उपयोगी ऑटोमैटिक थर्मल स्क्रीनिंग मशीन बनाना, वाई–फाई चालित स्मार्ट वेंटिलेटर बनाना आदि।

संस्थान का इतिहास

इसकी आधारशिला आईआईटी मंडी के परिसर के स्थायी स्थल कमांड में 24 फरवरी 2009 को रखी गई। जुलाई 2009 में छात्रों के पहले बैच का नामांकन हुआ और 27 जुलाई 2009 से उनकी कक्षाएँ शुरू हुईं। अगस्त 2009 में मंडी के वल्लभ सरकारी महाविद्यालय में आईआईटी मंडी के एक ट्रांजिट कैंपस का निर्माण हुआ। सितंबर 2012 में, पहले बैच को कमांड परिसर में स्थानांतरित किया गया।

बीते 12 वर्षों में अपनी प्रगति में योगदान के लिए आईआईटी मंडी मंडी जिला प्रशासन के प्रति आभार प्रकट करता है।

###

आईआईटी मंडी का परिचय

जुलाई 2009 में 97 विद्यार्थियों के पहले बैच से आरंभ आज आईआईटी मंडी में 125 फैकल्टी, 1,655 विद्यार्थी हैं जो संस्थान के विभिन्न अंडरग्रैजुएट, पोस्टग्रैजुएट और रिसर्च प्रोग्राम में नामांकित हैं। संस्थान के पूर्व विद्यार्थियों की संख्या 1141 हो गई है। इस पूर्णतः आवासीय संस्थान में 1.4 लाख वर्गमीटर का निर्माण पूरा हो गया है। इसमें 88 कमरों का गेस्ट हउस, 750 सीटर ऑडिटोरियम, कैम्पस स्कूल, खेल परिसर और अस्पताल भी है।

आईआईटी मंडी में चार एकेडमिक स्कूल और तीन प्रमुख शोध केंद्र हैं। ये स्कूल हैं : स्कूल ऑफ कम्प्युटिंग एवं इलैक्ट्रिकल इंजीनियरिंग; स्कूल ऑफ बेसिक साइंसेज़; स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग और स्कूल ऑफ ह्युमैनीटीज़ एवं सोशल साइंसेज़। ये केंद्र हैं : एडवांस्ड मटीरियल्स रिसर्च सेंटर (एएमआरसी : 60 करोड़ रु. की लागत से तैयार), सेंटर फॉर डिज़ाइन एण्ड फैब्रिकेशन ऑफ इलैक्ट्रिकल डिवाइसेज़ (सी4डीएफईडी; 50 करोड़ के फैब्रिकेशन टूल हैं) और बायोएक्स सेंटर (15 करोड़ के शोध उपकरणों के साथ)। 2017 में जैवतकनीकी विभाग, भारत सरकार ने आईआईटी मंडी को 10 करोड़ रु. की विशिष्ट फार्मरजोन प्रोजेक्ट के लिए चुना।

उद्योग जगत की बढ़ती जरूरतों और विद्यार्थियों की महत्वाकांक्षा पूरी करने के लिए आईआईटी मंडी ने पिछले 10 वर्षों में 7 बी टेक, 7 एम. टेक., 5 एम.एससी., 4 पीएच.डी. और 1 एमए प्रोग्राम शुरू किए हैं। संस्थान का प्रोजेक्ट–प्रधान बी. टेक. पाठ्यक्रम 4 साल के डिज़ाइन और इनोवेशन स्ट्रीम पर केंद्रित है। अगस्त 2019 से आईआईटी मंडी ने डाटा साइंस एवं इंजीनियरिंग, इंजीनियरिंग फिजिक्स और बायोइंजीनियरिंग में डुअल डिग्री के 3 नए और यूनिक बी. टेक. प्रोग्राम शुरू किए।

स्थापना से लेकर अब तक आईआईटी मंडी के शिक्षक लगभग 120 करोड़ रु. के 275 से अधिक शोध–विकास प्रोजेक्ट पर कार्यरत रहे हैं। पिछले 10 वर्षों में संस्थान ने 11 अंतर्राष्ट्रीय और 12 राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों से सहमति करार किए हैं।

आईआईटी मंडी कैटलिस्ट हिमाचल प्रदेश का पहला टेक्नोलॉजी बिजनेस इनक्युबेटर है। इसने सन् 2017 से अब तक 75 स्टार्ट–अप्स की मदद की है। कैटलिस्ट ने बाहरी सहयोग के तौर विभिन्न फंडिंग एजेंसियों से 24 करोरु. राशि की राशि हासिल की है। आईआईटी मंडी का एक अन्य खास प्रोग्राम 'इनैबलिंग वीमेन ऑफ कामंद वैली' (ईडब्ल्यूओके) है जिसका मकसद महिलाओं को ग्रामीण स्तर के कारोबार शुरू करने के लिए कौशल प्रशिक्षण देना है।

भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एमएचआरडी) द्वारा जारी नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क के तहत भारतीय इंजीनियरिंग संस्थान श्रेणी की रैंकिंग–2020 में आईआईटी मंडी को 31वां रैंक दिया गया है।

Twitter: @iit_mandi
Facebook: IIT Mandi
Website :https://www.iitmandi.ac.in

Media contact for IIT Mandi:
IIT Mandi Media Cell: mediacell@iitmandi.ac.in/ **Landline: 01905267832**
BhavaniGiddu - Footprint Global Communications
Cell: 9999500262 / Email: bhavani.giddu@footprintglobal.com
AkhilVaidya – Footprint Global Communications
Cell: 9882102818 / Email ID: akhil.vaidya@footprintglobal.com.